गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2012-2014

golalariya_darshan@yahoo.in
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

मासिक
गोलालारीय दर्शन
अपनों के साथ अपनी बातें

प्रतिभा विशेषांक

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 5 अंक : 2 पृष्ठ संख्या : 8 माह – 15 जुलाई 2013 सहयोग राशि : 100 रु

अतिथि संपादक की कलम से...

नैतिक संस्कार सफलता की पगडंडी

पढ़ाई–परीक्षा और परिणाम प्रतिवर्ष बच्चे प्ले ग्रुप से लेकर 25 वर्ष की उम्र तक इसी दौर से गुजरते है। आज कल पढ़ाई को हर माता पिता ने ''हऊआ'' बना रखा है जबकी शिक्षा प्रणाली पहले से बहुत सरल और लचीली हो गयी है। पढ़ाई का पहला अक्षर शुरु होता है माँ से और माँ ही हर बच्चे को अपने लक्ष्य तक पहुँचाने में सहायता करती है। पर माँ आज कल पहले की तरह घर में रहने वाली नहीं है, कुछ माँए अपने काम की वजह से व्यस्त है तो कुछ माँए सोशल कार्य की वजह से। कहने का तात्पर्य यह है कि – माता पिता को अपने समय में से कम से कम एक–दो घंटे बच्चे के साथ बिताना ही चाहिए, ताकि वे उन्हें – उनका लक्ष्य और सही दिशा बता सके, उन्हें यहाँ वहां भटकने से रोक सके, उनमें आत्मविश्वास पैदा कर सके, जमाने के साथ चलना सीख सके। और सबसे खास बात उन्हें नैतिक शिक्षा, धार्मिक व सामान्य व्यावहारिक ज्ञान की शिक्षा एवं संस्कार दे सके, जिससे उनके मन में संतोष और शांति की अनुभूति महसूस हो । कुछ वर्ष पूर्व तक स्कूल में नैतिक शिक्षा के पाठ हुआ करते थे। एक छोटी सी घटना याद है एक कक्षा में अध्यापक किसी प्रसंग पर विद्यार्थियों को चाकलेट बांट रहे थे। इसी बीच प्रिंसिपल साहब ने उन्हें बुला लिया अध्यापक ने बच्चों से कहा कि मैं थोड़ी देर से आता हूँ चाकलेट का डिब्बा यहां रखा है, आप अपने हिस्से की चाकलेट ले लेवें। कुछ बच्चों ने आगे बढ़कर डिब्बे से अपने हिस्से की चाकलेट ले ली और कुछ अपने अध्यापक का इंतजार करने लगे। अध्यापक ने वापस आने के उपरांत बच्चों से कहा जिन्होने चाकलेट नहीं ली है वे आगे आकर चाकलेट ले लेवें। अध्यापक ने उन बच्चों के नाम अपने जेहन (याददाश्त) में रख लिये जिन बच्चों को उन्होंने अपने हाथ से चाकलेट दी थी, कालांतर पश्चात उन्होंने पाया कि वे बच्चों कक्षा के अन्य बच्चों से कही अधिक सफल रहे है। यहां यह बात आती है कि शिक्षा के साथ नैतिकता की शिक्षा भी बच्चों में प्रारंभिक अवस्था में ही देना चाहिए ताकि भविष्य में बच्चे किसी भी परिस्थिति में कभी कमजोर न हो। बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए उन्हें पढ़ाई के साथ खेलकूद एवं अन्य सांस्कृतिक गतिविधियों में संलग्नता के लिए एक निश्चित सीमा तक छूट प्रदान करना चाहिए ताकि उनका व्यक्तित्व निखर सके। उनमें वर्तमान परिवेश में हो रहे बदलाव को समझने और जूझने की क्षमता विकसित हो सके। तभी वे आशातीत सफलता अर्जित कर अपना व अपने परिवार तथा समाज का मान सम्मान बढ़ायेंगे।

– अंजू डॉ. राजेश जैन, भोपाल

नई ऊंचाईयों की ओर बढ़ते कदम...

मनुदेव पवन जैन, भोपाल ने भारतीय अभियांत्रिकी सेवा **(IES)** इलेक्ट्रानिक्स की परीक्षा में 8वीं रैंक प्राप्त की।

अनमोल अजय जैन, गंजबासौदा ने गेट 2013 की परीक्षा में 117 रैंक प्राप्त की।

रोहित राजेश जैन, टीकमगढ़ ने आईआईटी परीक्षा 2013 में 3692 रैंक प्राप्त की।

अवनी अनिलकुमार जैन मंडला ने आईआईटी परीक्षा 2013 में 8601 रैंक प्राप्त की।

एक नन्हा बालक अपने पैरों पर खड़ा होने का प्रयास कर रहा था किन्तु संतुलन न बन पाने के कारण बार बार गिर पड़ता। बार–बार वह इस क्रिया को दोहरा रहा था किंतु पूर्णत: सफल नहीं हो पा रहा था। उसकी माँ पास ही उत्साह से उसके प्रयत्न को देख रही थी। अबकी बार बालक ने फिर से अपने डगमगाते पैरो को सीधा करने की कोशिश की और क्षण भर के लिये स्थिर हुआ पर फिर गिर पड़ा। माँ ने इस छोटी सी सफलता पर तालियां बजायी और खुशी से उसका उत्साहवर्धन करते हुये कहा ''शाबाश, बेटा शाबाश''। एक बार और...माँ का प्रोत्साहन पा बालक इस बार दुगने जोश से प्रयास करने लगा और इस बार वह न केवल सीधा खड़ा हुआ वरन् पहले से कहीं अधिक देर तक खड़ा होने में सफल रहा।

घटना बहुत साधारण सी है परन्तु यह हमें किसी भी सफलता को प्राप्त करने के लिए अपनों के प्रोत्साहन का महत्व दर्शाती है। बालक को न केवल खड़ा होने या चलना सीखने वरन् जीवन की हर स्थिति में माता पिता का प्रोत्साहन और अपनत्व जरुरी होता है। कदम कदम पर उनका मार्गदर्शन पा वह सफलता के सोपानों को तय करता हुआ ऊंचाईयों को प्राप्त कर लेता है।

समय के साथ प्रोत्साहन का स्वरुप बदलता जाता है। एक उत्साह भरी शाबाशी के साथ छोटे छोटे उपहार जहां बच्चों में जोश भर देते है वहीं बढ़ती उम्र के साथ उपहारों का रुप भी बदल जाता है। इसी तरह समय के साथ मिलती उत्तरोत्तर सफलता से माता पिता की प्रसन्नता गर्व में बदल जाती है और बच्चों की आकांक्षायें महत्वकांक्षाओं में तब्दील हो जाती है। इसके साथ ही प्रोत्साहन और पुरस्कारों का दायरा भी बढ़ता हुआ परिवार, समाज और अनेक सामाजिक संगठनों तक पहुंच जाता है।

प्रसन्नता का विषय है कि वर्तमान समय में समाज ने शिक्षा के क्षेत्र में उभरती प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिये सम्मान और पुरस्कारों की पहल की है। इससे एक ओर प्रतिभाशाली, सफल छात्र छात्राओं का उत्साहवर्धन हुआ है वहीं उनके माता पिता को समाज के समक्ष मस्तक ऊंचा करने का अवसर भी मिला है। सभी छोटे बड़े शहरों और गांवों में इस प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया जाना चाहिये। परन्तु क्या इतना प्रयास काफी है? कदाचित नहीं। केवल मंच पर प्रतिभाओं के सम्मान और पुरस्कार मात्र से हमारा उद्देश्य पूर्ण हुआ नहीं समझना चाहिये। हमें एक कदम और आगे बढ़कर उन साधनविहीन प्रतिभाओं की खोज भी करना चाहिये जो वर्ष भर आवश्यक संसाधनों को जुटाने में ही अपना समय और ऊर्जा खर्च कर देते है तथा अपने यथेष्ट लक्ष्य से वंचित रह जाते है। कितने ही परिवार अर्थाभाव के कारण अपने सुयोग्य पुत्र या पुत्री को उच्च शिक्षा नहीं दिला पाते या अमूल्य अवसरों को खो देते है। इस संदर्भ में गोलालारीय समाज न्यास, इन्दौर की पहल सराहनीय है। लगभग 18 वर्ष से भी अधिक समय से यहाँ प्रतिवर्ष प्रतिभाओं का सम्मान और प्रोत्साहन किया जा रहा है। इसके साथ ही एक 'शिक्षाकोष' भी स्थापित किया गया जो प्रतिवर्ष जरुरतमंद परिवारों की उनके आवेदन पर पूर्णत: गोपनीय ढंग से यथोचित आर्थिक सहायता करता है ताकि लाभान्वित परिवार के आत्म सम्मान को ठेस न पहुँचे। संक्षेप में यह कि हम अपने सेवा कार्यो को आत्मसंतुष्टि के लिये करें न कि दुनिया की नज़र में दानवीर कहलाने के लोभ में।

समाज द्वारा सफलता के शिखर को चूमने वाले विजेताओं का अभिनंदन करना सराहनीय है किन्तु यदि हम शिखर तक पहुँचने वाले मार्ग को भी निष्कंटक करने में उनकी सहायता करते है तो हम अपने विजेताओं की संख्या में बढ़ोतरी कर सकते है। इसके लिये अल्प आय वाले परिवारों की सूची बनाकर उनकी यथोचित सहायता की जाये। शिक्षा सहायता कोष बनाकर शिक्षा हेतु कर्ज या छात्रवृत्ति प्रदाने करने का प्रावधान किया जाना चाहिये। समाज के आर्थिक रुप से सक्षम और समर्थ महानुभावों को इस ओर सार्थक पहल करनी चाहिये। हर छोटे बड़े शहरों में यदि पूर्ण निस्वार्थ भाव से ऐसे प्रयास किये जाये तो निश्चित ही परिणाम सुफलदायी होंगे अन्यथा प्रतिभा सम्मान समारोह केवल समारोह बनकर रह जायेगा। तो आइये हमारे शत् प्रतिशत साक्षर समाज को उच्च शिक्षित और प्रगतिशील बनाने की ओर एक कदम और बढ़ाये और अपने समाज के नौनिहालों के सुनहरे भविष्य की नींव में एक ईंट हम भी रखें।

इसी के साथ ही माता पिता की भूमिका भी उल्लेखनीय है। बहुधा माता पिता अपने बच्चों की प्रतिभाओं को कुछ कमतर आंकते है अथवा उसकी उपेक्षा करते है। उसे यथोचित प्रोत्साहन नहीं देते या फिर समाज के समक्ष रखने में हिचकिचाते है। कुछ स्वाभीमानी माता पिता अपने अर्थाभाव को सबके समक्ष लाने में भी हिचकते है। इन सभी का दुष्परिणाम अंतत: प्रतिभावान विद्यार्थियों को ही उठाना पड़ता है जिसे कदापि उचित नहीं कहा जा सकता। अत: ऐसे सभी अभिभावकों से हमारा निवेदन है कि वे अपनी झिझक या शर्म को परे रख अपने बालक के भविष्य को प्राथमिकता दे और उसे आगे बढ़ाने में सहयोग करें।

– अनुपमा–रजनीश जैन, सहसंपादिका

परामर्श प्रमुख
डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256
प्रधान संपादक
राजेन्द्र जैन ''बागी'', 9424013136
सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884
कोषाध्यक्ष –
सुधेश कुमार जैन, 9827254111
प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227
(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

परम संरक्षक
श्री सुभाषचंद जैन, बोरीवली, मुंबई

संरक्षक
डॉ. प्रकाशचंद जैन, सागर

*** क्षेत्रीय प्रतिनिधि ***

श्री अरविन्द जैन बाकल
जबलपुर
9827393509

श्री श्रेयांसकुमार जैन
अहमदाबाद
9426544317

श्री शांतिकुमार जैन
गंजबासौदा
9425149105

श्री कन्छेदीलाल जैन
विदिशा
9229670194

यदि आपको गोलालारीय दर्शन पत्रिका प्राप्त नहीं हो रही है तो अपने शहर के क्षेत्रीय प्रतिनिधियों से संपर्क कर पत्रिका प्राप्त करें।

शेष क्षेत्रीय प्रतिनिधियों की सूची आगामी अंकों में...

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	– 21000/–
परम संरक्षक(अ.जा.)	– 11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	– 5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	– 2100/–
आजीवन शुल्क	– 1100/–
पंचवर्षीय सहयोग	– 250/–

आप गोलालारीय दर्शन में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बैंक खाता क्रं. 63048875855 में जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी कार्यालय पर अवश्य भेंजे ताकि सहयोग राशि की रसीद आपको भेज सके ।

विज्ञापन शुल्क (B/W)

अंतिम फुल पेज	3000/–
1/2 पेज	2000/–
1/4 पेज	1000/–
कॉलम	500/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	500/–
शोक संदेश फोटो सहित	200/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	100/–

सिर्फ महावीर जयंती... क्यो?

हाल ही में हम सबने हमारे चौबीसवें तीर्थंकर भगवान श्री महावीर स्वामी का जन्मदिवस पूरी श्रद्धा और उत्साह से मनाया। पूरे देश भर में प्रभातफेरी, शोभायात्राओं और भगवान के जन्माभिषेक की धूम रही। जिनमंदिरों में बाल महावीर को पालना झुलाया गया तथा मंगल वाद्यों के साथ बधाई गीत गाये गये। पूरा दिवस भगवान महावीर के नाम कर दिया। सरकार भी इस दिन राष्ट्रीय अवकाश घोषित करती है। इसी तरह का उत्साह हम भगवान महावीर स्वामी के निर्वाण दिवस अर्थात् दीपावली पर भी दिखाते है। मंदिरों में निर्वाण लाडू चढ़ाये जाते है और घर घर दीप जलाये जाते है, उचित भी है और इन सब आयोजनों से किसी को कोई शिकायत भी नहीं हो सकती। किन्तु यहां प्रश्न यह है कि सिर्फ महावीर जयंती या दीपावली क्यों? यह सर्वविदित है कि भगवान महावीर से पूर्व तेईस तीर्थंकर और हो चुके है। फिर सिर्फ भगवान महावीर के जन्म और निर्वाण कल्याणक को इतना क्यों? इसका एकमात्र जवाब है कि वर्तमान में अंतिम तीर्थंकर भगवान महावीर का शासन चल रहा है। नि:संदेह यह सत्य है, परन्तु इस एक वजह से हमने कहीं न कहीं अपने तेईस तीर्थंकरों को विस्मृत सा कर दिया है जबकि जैन धर्म के प्रणेता एवं प्रथम तीर्थंकर आदिनाथ भगवान के कालक्रम से भगवान महावीर स्वामी तक जैन धर्म की धारा को सतत् प्रवाहित करने में इन सभी तीर्थंकरों के योगदान को नकारा नहीं जा सकता। किन्तु हममे से कितनों को उनका जन्म और मोक्षकल्याणक याद रहता है।

इस उपेक्षापूर्ण रवैये ने सर्वाधिक हानि हमारी वर्तमान पीढ़ी को पहुंचाई है, जिनमें से अधिसंख्य शायद चौबीस तीर्थंकरों के नाम भी नहीं जानते। हमारे धर्म के बारे में हम स्वयं कितने अनजान है यह बेहद शर्म की बात है। हमारे धर्मग्रंथों के अलावा अन्य साहित्य और इतिहास की पुस्तकों में भी भगवान महावीर को ही जैन धर्म का प्रणेता प्रचारित किया जाता है। यह स्थिति देश में ही नहीं विदेशों में भी है। कुछ समय पूर्व कुंद कुंद ज्ञानपीठ, इन्दौर में आयोजित क्षुल्लक जिनेन्द्रवर्णी स्मृति व्याख्यानमाला में फ्लोरिडा, मियामी (अमेरिका) से पधारी श्रमणी डा. चैतन्यप्रज्ञाजी का उद्बोधन सुनने का अवसर मिला जो फ्लोरिडा इंटरनेशनल यूनिवर्सिटी में विजिटिंग प्रोफेसर है। उन्होंने इस बात पर अत्यंत खेद प्रकट करते हुए कहा कि विदेशों में भी जैन धर्म के नाम पर लोग सिर्फ और सिर्फ भगवान महावीर को मानते हैं। इस सबके लिए दोषी कौन है? यह हमारी निष्क्रियता और उपेक्षा नहीं तो और क्या है कि हम इस तरह के साहित्य और पाठ्यपुस्तकों का विरोध नहीं करते। हमने स्वयं अपने तीर्थंकरों की उपेक्षा कर इस मिथ्या प्रचार को और बढ़ावा दिया है। जैन समाज भले ही अल्पसंख्यक है किन्तु एक शिक्षित और जागरुक समाज है। अतएव हमें स्वयं आगे बढ़कर अपनी त्रुटि को सुधारना होगा। हमें भगवान महावीर के समान अन्य तेईस तीर्थंकरों को भी सबके सामने लाना होगा। इसके लिए महावीर जयंती और दीपावली के समान सभी तीर्थंकरों के जन्म और मोक्ष कल्याणक मनाना चाहिये। भले ही बड़े स्तर पर न सही किन्तु जिन मंदिर में जन्माभिषेक और निर्वाण लाडू तो चढ़ाया ही जा सकता है। मंदिरों में पूर्व सूचना प्रकाशित कर सभी धर्मानुरागियों को उपस्थित होने का संदेश दिया जाये और हम सभी को उपस्थित होना भी चाहिए। इसके साथ ही मंदिरजी के सूचना पटल पर चौबीसों तीर्थंकरों के जन्म और मोक्ष कल्याणक तिथि का केलेण्डर भी टांगना चाहिये ताकि अधिक से अधिक लोग ध्यानाकर्षित हो सके। इन प्रयासों से कम से कम हमारे अपने समाजजन अपने तीर्थंकरों की कुछ जानकारी तो रख ही सकेंगे। धीरे धीरे ही समाज में जागृति आ सकेगी।

– अनुपमा जैन, सहसम्पादिका

स्तुति महिला मंडल ने इतिहास रचा ।

गोलालारीय दि. जैन समाज इन्दौर के इतिहास में एक और पन्ना स्वर्ण अक्षरों से लिखा गया जब समाज की 9 वर्षीय मूकबधिर बेटी **कु. रिया जिनेन्द्र–साधना जैन,** इन्दौर के इलाज हेतु स्नेह सम्मेलन के अवसर पर मात्र एक आव्हान पर समाजजनों ने मात्र 15 मिनिट के अंदर ही लगभग सवा लाख रुपये इकठ्ठा कर लिये। मगर मंजिल अभी दूर थी उस बच्ची के ऑपरेशन के लिए लगभग 7 लाख रुपये की आवश्यकता थी। शुरुआत हो चुकी थी तो हौंसले तो बुलंद थे। अत: स्तुति महिला मंडल की सचिव श्रीमती भारती जैन, वल्लभ नगर तथा गोलालारीय दर्शन की सहसंपादिका श्रीमती अर्चना जैन महावीर नगर ने इस अभियान को अपनी पूरी ताकत व उत्साह के साथ आगे बढ़ाया । शासन, अन्य समाजजनों एवं कई सोशल ग्रुपों से बात की, इस तरह करीब 3 महीने के अंदर अंदर इन्होंने कई लोगों की मदद से लगभग सात लाख रुपये इकठ्ठे कर बच्ची का ऑपरेशन 19 जून को हुआ। जहाँ विश्वास हो, नन में लगन हो और भावना अच्छी हो तो कार्य की सफलता तो निश्चित होती है। अत: उसका ऑपरेशन सफल रहा और सब कुछ ठीक रहा जैसे सभी समाजजनों की भावना है तो लगभग 6 महीने से 1 साल के भीतर वह बच्ची बोल व सुन सकेगी। दिल्ली से आई डाक्टरों की टीम ने इंदौर के 'विशेष हास्पिटल' में उसका सफल ऑपरेशन किया गया। अब बस प्रतीक्षा है तो उस बच्ची के मुख से कुछ सुनने की। जिसने भी इस बच्ची के ऑपरेशन में छोटा सा भी योगदान दिया है। हम अपनी ओर व बच्ची के माता पिता की ओर से सभी को हृदय से बहुत बहुत धन्यवाद देते हैं और आशा करते है कि समाजजन ऐसे सद्कार्यों में सदा अपना योगदान देते रहेंगे।

–अर्चना जैन, सहसम्पादिका

साधारण सभा की सूचना

इन्दौर, बाहुबली जैन । श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास की साधारण सभा 4 अगस्त 2013 को न्यास भवन, 64 न्यू देवास पर दोपहर 1 बजे आयोजित की गई है। जिसमें समाज कार्यकारिणी के निर्णय अनुसार निम्न विषयों पर चर्चा होना है – * ''सांस्कृतिक भवन'' 64, न्यू देवास रोड के पुन: नवनिर्माण पर चर्चा । * समाज की जनगणना कार्य को तय समय सीमा में पूर्ण करे जाने पर चर्चा * प्रयास पुस्तिका के प्रकाशन के लिए कार्ययोजना पर चर्चा * इसके अतिरिक्त समाज हित में अन्य विषयों पर भी चर्चा संभावित है। समाज अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी ने कहा है कि विगत वर्षानुसार जरुरतमंद विद्यार्थियों की फीस एवं कॉपी किताब हेतु समाज की ओर से सहायता प्रदान की जाती है, जिसकी समस्त जानकारी गोपनीय रखी जाती है। इन्दौर में जरुरतमंद परिवार के विद्यार्थियों के लिए न्यास कार्यकारिणी के किसी भी सदस्य को सहायता हेतु आवेदन पत्र दे सकते है। न्यास कोषाध्यक्ष श्री अशोक कुमार जैन ने समाज के सभी सदस्यों से अनुरोध किया है कि वे सभा में उपस्थित रहकर समाज हित में उचित मार्गदर्शन देवें।

बधाईयाँ –

सिस्टर निवेदिता तकनीकी शिक्षण समिति भोपाल द्वारा रवीन्द्र भवन भोपाल में आयोजित उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान समारोह वर्ष 2013 में **कु. डॉ. विभा जैन पुत्री श्री सुरेशचंद जैन,** पूर्व रजिस्ट्रार एस.एस.एल. जैन पी.जी. कॉलेज विदिशा को उनकी संकाय बेसिक साइन्स में उत्कृष्ट शिक्षक सम्मान से सुशोभित किया गया। **डॉ. कु. विभा जैन** (एम.ए., पी.एच.डी. इंग्लिश) वर्तमान में भोपाल शहर के उत्कृष्ट प्रायवेट तकनीकी महाविद्यालय लक्ष्मीनारायण कॉलेज ऑफ टेक्नोलॉजी भोपाल (एल.एन.सी.टी., भोपाल) में एसोसिएट प्रोफेसर (मावनता विभाग) में कार्यरत हैं

श्री धरमचंदजी - एक व्यक्तित्व

30 जून 2013 को गोलालारीय समाज इन्दौर के वरिष्ठ सदस्य एवं न्यास की स्थायी ट्रस्टी श्री धरमचंदजी का स्वर्गवास हो गया। इस दुखद समाचार ने संपूर्ण समाज को स्तब्ध कर दिया। इन्दौर गोलालारीय समाज को संगठित कर आज इस मुकाम तक पहुँचाने में आपका बहुत बड़ा योगदान रहा है। आप इस संगठन की आधारशिला रहे। लगभग 50 वर्ष पूर्व जब समाज अनेक टुकड़ों में विभक्त था तब आपने कुछ साथियों की मदद से 'जैन मित्र मंडल' का गठन कर समाजजनों को जोड़ने का प्रयास करा, आशातीत सफलता मिलने लगी। समाजजनों को साथ लेकर नेहरु पार्क में टिफिन पार्टी का आयोजन होने लगा । समाज के सभी परिवार इस आयोजन से जुड़ते चले गये तत्पश्चात समाज पंचायत का गठन कर समाज हित में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये जिसमें सगाई के समय समस्त समाजजनों को बुलावा भेजा जावे और प्रत्येक वर्ष समाज के प्रत्येक परिवार से वार्षिक लागा लिया जावे। इसी बीच एक घटनाक्रम में पाटनीपुरा स्थित जैन मंदिर भवन को तोड़ने की चर्चा आयी। आप सभी ने इसका खुलकर विरोध करा, अंतत: उक्त भवन गोलालारीय समाज के पांच पंचों के नाम से खरीद लिया गया। जिसकी व्यवस्था वर्षों तक गोलालारीय समाज करता रहा।

आपने अपने सहयोगियों के साथ 40 वर्ष पूर्व न्यू देवास रोड़ पर समाज का मंदिर एवं सांस्कृतिक भवन के निर्माण के लिए जमीन क्रय की, जो आज हमारे समाज की धरोहर है। मई 1976 में श्री गुलाबचंद तामोट द्वारा सांस्कृतिक भवन का शिलान्यास कर निर्माण कार्य प्रारंभ हुआ तत्पश्चात यहां मंदिरजी की स्थापना हुई। आपने कई वर्षों तक समाज में मंत्री एवं कोषाध्यक्ष पद को संभालते हुए समाज को संगठित एवं आर्थिक रुप से सुदृढ़ करने के लिए काफी प्रयास किया। समाज कार्यों को निष्पक्ष रुप से संचालित करने के आप सदैव पक्षधर रहे। संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए समाज का ट्रस्ट व सहकारी साख संस्था के निर्माण हेतु प्रयासरत रहे। परन्तु कुछ कारणों से यह कार्य समय पर संपन्न नहीं हो पाया । आपने मालवा गृह निर्माण संस्था में मंत्री पद पर रहते हुए विजय नगर में 60 से अधिक गोलालारीय समाज के परिवारों को मकान आवंटित कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जो अपने आप में एक महत्वपूर्ण कार्य है। आज विजय नगर जैन समाज की महत्वपूर्ण कालोनी है।

वर्ष 2002 में ट्रस्ट निर्माण पश्चात नवीन कार्यकारिणी ने अपने प्रथम दायित्व को निभाते हुए आपको स्थायी ट्रस्टी के रुप में मनोनीत कर समाज विकास के लिए मार्गदर्शन चाहा। आपने भी नवनियुक्त कार्यकारिणी को दिल खोलकर समर्थन दिया। 64 न्यू देवास रोड़ स्थित सांस्कृतिक भवन की रजिस्ट्री के कागजात समाज कार्यकारिणी को सौंप कर इस भवन को समाज की धरोहर बना दिया। जिस पर हमें सदैव गर्व रहेगा। समाज सदस्यों को संगठित होकर अपनी मातृ संस्था **''गोलालारीय समाज''** की उन्नति के लिए एक दूसरे के सहयोगी बनकर कार्य करने की भावना से आप सदैव समाजजनों को प्रेरित करते रहे ताकि समाज उत्तरोत्तर प्रगति कर सकें।

आपके निधन से समाज को अपूरणीय क्षति हुई है, आपका दीर्घकालिक सामाजिक योगदान हमें सदैव सद्कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा। हम आपकी आशाओं के अनुरुप संगठन को गतिशील बनाये रखेंगे और हमें पूर्ण विश्वास है कि आपके सुपुत्र श्री अनिल जैन, सुनील जैन एवं राजीव जैन आपके कार्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज को सुदृढ़ एवं संगठित करने हेतु सदैव तत्पर रहकर आपका नाम गौरवांवित करेंगे।

श्री गोलालारीय दिगम्बर समाज न्यास, पार्श्वनाथ सहकारी साख संस्था, गोलालारीय दर्शन, गोलालारीय सोशल ग्रुप, स्तुति महिला मंडल और युवा मंच आपको विनम्र श्रद्धांजलि के अर्पित करता है।

प्रशस्ति पत्र के वितरण की जानकारी

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से गत दो वर्षों से प्रशस्ति पत्र प्रदान किये जा रहे है। हमारा दायित्व बनता है कि हम समाज के इन नौनिहालों को जिन्होंने वर्ष भर जी तोड़ मेहनत कर सफलता प्राप्त की है, उनका सम्मान अवश्य ही करना चाहिए । आपके नगर में कार्यक्रम आयोजित कर इन विद्यार्थियों का हौंसला अवश्य ही बढ़ाये साथ ही इनके माता पिता भी धन्यवाद के पात्र है जिन्होंने अपने बच्चों को सफलता के इस मुकाम तक पहुंचाने में सहयोग करा है तथा गोलालारीय दर्शन पत्रिका को जानकारी भेजकर संपूर्ण समाज से उनकी प्रतिभा को अवगत कराया है।

इस अंक में प्रकाशित विद्यार्थियों के प्रशस्ति पत्र सितम्बर 13 के प्रथम सप्ताह तक आपके नगर के पत्रिका प्रतिनिधि को या स्वयं आपको प्रेषित कर दिए जायेंगे। गत दो वर्षों में गोलालारीय दर्शन पत्रिका में प्रकाशित विद्यार्थियों को यदि प्रशस्ति पत्र प्राप्त नहीं हुये है तो वे 5 अगस्त 13 तक इसकी सूचना गोलालारीय दर्शन कार्यालय पर या संपादक राजेन्द्र जैन 9424013136 पर देकर सूचित कर सकते है ताकि उन्हें प्रशस्ति पत्र भेजने की व्यवस्था की जा सके।

जागो अभिभावकों जागो !

हाल ही में सभी विद्यार्थियों के परीक्षा परिणाम घोषित हुये, जिसमें गोलालारीय समाज के कई बच्चों ने अच्छी सफलता हासिल की है जिनके फोटो एवं अंक आप पत्रिका में देख ही रहे है। ये बच्चे अपने अथक परिश्रम व लगन से ही इस मुकाम को हासिल करने में सफल हुए है।

ऐसे कई बच्चें और भी है जिन्होंने ऐसी ही सफलता हासिल की मगर उनके पालको की उदासीनता के कारण उनकी सफलता सिर्फ उनके परिवार तक ही सीमित रह गई। विचार करें... क्या हमने अपने बच्चों के साथ न्याय किया है शायद नहीं ? हमारी उदासीनता ने बच्चे की प्रतिभा को सीमित कर दिया। ''गोलालारीय दर्शन'' का सदैव यह प्रयास रहा है कि अपने समाज का एक भी बच्चा जिसने किसी भी क्षेत्र में सफलता हासिल की हो उसको सभी के सामने लाया जाय ताकि उस बच्चे का उत्साह तो बढ़े ही व अन्य बच्चे भी उससे प्रेरणा लेकर आगे बढ़े और सफल हो। मगर हमारा प्रयास तब तक अधूरा है जब तक कि बच्चों के माता पिता प्रयास नहीं करेंगे उन्हें सामने लाने का। हमारी कई कोशिशों के बावजूद सफल बच्चों की अंकसूची एवं फोटो प्राप्त नहीं हुए है और इनमें से कुछ बच्चों ने शायद अपने शहर तथा प्रदेश में अच्छा नाम कमाया होगा । यदि उनका नाम प्रकाशित होने से रह जाता है तो यह हमारे समाज का बहुत बड़ा दुर्भाग्य और नुकसान है। अत: आप सभी से अनुरोध है कि **''जागो अभिभावक जागो''**। कहीं आप अपने बच्चों को जवाब देने लायक न रह जाये कि पापा हमारा फोटो इस पत्रिका में क्यों नही आया, हमने तो मेहनत की पर आपने क्यों नही की? अंत में गोलालारीय दर्शन की ओर से सभी बच्चों को हार्दि बधाई व उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएँ।

– अर्चना अजय जैन, सहसंपादिका

सोशल ग्रुप की मीटिंग सानंद संपन्न।

इन्दौर, राजेश जैन 'सायकलवाले'। समाज जनों में आपसी मेल जोल को बढ़ाने के लिए रिश्तों में नई ताजगी के उद्देश्य से सोशल ग्रुप का गठन किया जाता है जहां प्रत्येक सदस्य दिल खोलकर आंनदपूर्वक पूरा दिन व्यतीत करता है। गोलालारीय सोशल ग्रुप इन्दौर की मीटिंग 23 जून को रखी गई थी जिसमें सदस्यों के आगमन पर स्वल्पाहार के पश्चात फिल्म 'रांझणा' देखी उसके बाद सदस्यों की मीटिंग होटल मड ओवन में संपन्न हुई। मीटिंग में चर्चा के दौरान पंकज जैन, आनंद जैन, श्रीमति शशि जैन, बाहुबली जैन, कोमलचंद जैन एवं राजेन्द्र जैन 'बागो' ने अपने विचार रखें। जिसमें सोशल ग्रुप को निरंतर चलाने का फैसला सदस्यों द्वारा लिया गया। ग्रुप अध्यक्ष राजेश जैन सायकलवाले एवं सचिव अंचल पंचरत्न ने सदस्यों का आभार माना।

संत निवास निर्माण में सहयोग की अपील

इन्दौर, दीपक जैन। सुखलिया क्षेत्र में संत निवास की आवश्यकता काफी वर्षो से महसूस की जा रही थी। मुनिसंघ के पधारने पर उचित व्यवस्था न होने के कारण क्षेत्र के साधर्मी बंधु को मुनि सेवा के पुण्य लाभ से वंचित रहना पड़ता था। इस समस्या के स्थायी समाधान के लिए समाज की नवीन कार्यकारिणी के पदाधिकारियों और समाजजनों के सहयोग से मंदिरजी के सामने दो हजार स्के.फीट का भवन संत निवास हेतु खरीद लिया है। जिस तरह बूंद बूंद से घड़ा भरता है उसी तरह से आपका आर्थिक सहयोग हमारी गागर को भर सकता है। इस कार्य में आप कोषाध्यक्ष **श्री दीपक जैन 9893444519** से संपर्क कर सहयोग प्रदान कर सकते है।

* विनम्र श्रद्धांजली *

श्रीमती कमलेश धर्मपत्नी दीपचंदजी जैन, इन्दौर का स्वर्गवास 17 मई को हो गया है। आपको धर्म के प्रति विशेष रुचि थी। गोलालारीय दर्शन परिवार विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ....

अनन्य, नडियाड
डॉ आलोक-रश्मि जैन
1ली - 98.42%

चारुशी, छतरपुर
मनोज जैन
1ली - 97.16%

मोक्ष, छतरपुर
मनोज जैन
1ली - 97.16%

प्रेक्षा, इन्दौर
प्रवीण-रक्षा जैन
1ली - 97.07%

अनवी, उज्जैन
आशीष-प्रतिभा जैन
1ली - 94.33%

इशिका, विदिशा
अरुण-अरुणिमा जैन
1ली - ए2

पंखुडी, मंजबासौदा
पवनकुमार-नीतू जैन
1ली - ए

सौरभ, मंजबासौदा
सुनील-विनिता जैन
1ली - ए

धीरता, अहमदाबाद
रवीन्द्र-संगीता जैन
2री- 94%

यशश, ग्वालियर
अमित-निधि जैन
2री - ए+

सहज, भोपाल
आशीष-स्वाति जैन
2री - ए+

समृद्धि, विदिशा
मनीष-सचिता सिंघई
2री - ए+

सलौनी, मंजबासौदा
सुरेन्द्र-शिवानी जैन
2री - ए

शाश्वत, मंजबासौदा
नवीन-प्रीति भंडारी
2री - ए

रीथ, इन्दौर
आशीष-विनीता जैन
3री - ए++

अपूर्व, ललितपुर
आशीष-मालती जैन
3री - 91.53%

महक, अहमदाबाद
चंद्रेश जैन
3री- 90%

हर्षिल, इन्दौर
रजनीश-रीना जैन
3री - ए+

संजली, विदिशा
आशीष-नीतू जैन
3री - ए+

रिद्धिमा, विदिशा
आकाश-भारती जैन
3री - ए+

अनीषा, ग्वालियर
जिनेश-सुषमा जैन
3 री - ए+

निशिका, विदिशा
राजकुमार-साधना जैन
3री - ए

ध्रुव, विदिशा
धर्मेन्द्र-अलका जैन
3री - ए

नित्यता, इन्दौर
नितिन-निधि जैन
3री - ए

शुभम, अहमदाबाद
निर्मलकुमार जैन
3री - 87.14%

परी, मंजबासौदा
पवन-नीतू जैन
3री - ए

नैतिक, मंजबासौदा
संजीव-नवनीता जैन
3री - बी

अविशी, विदिशा
विक्रम-शशि जैन
4थी - ए+

आदि, इन्दौर
राजेश-संगीता जैन
4थी - ए1

यश, इन्दौर
हेमंत-संगीता जैन
4थी - ए+

वंश, इन्दौर
अंचल-सपना पंचरतन
4थी - ए+

मोक्ष, विदिशा
आकाश-भारती जैन
4थी - ए+

मोक्षा, विदिशा
अमित-मयूरी जैन
4थी - ए+

आस्था, मंजबासौदा
राजेन्द्र-सरिता जैन
4थी - ए

सेजल, मंजबासौदा
सुरेन्द्र-शिवानी जैन
4थी - ए

सौम्या, मंजबासौदा
सुनील-विनीता जैन
4थी - ए

चार्मी, इन्दौर
निशांत-रेशू जैन
4थी - ए

कोपल, इटारसी
महेश-राजुल जैन
4थी - ए2

अक्षत, इन्दौर
आशीष-आशिका जैन
4थी - बी1

रिया, जबलपुर
रीतेश-सविता जैन
4थी - 85.5%

आयुष, ललितपुर
आशीष-मालती जैन
5वी - 88.69%

सम्यक, छतरपुर
पुष्पेन्द्र-कल्पना जैन
5वीं - 98%

रितिका, जबलपुर
रितेश-सविता जैन
5वीं - 92.5%

प्रांजल, इन्दौर
प्रवीण-रक्षा जैन
5वीं - सीजीपीए 9.2

प्रांशी, मंजबासौदा
जितेन्द्र-सुषमा जैन
5वीं - ए+

मैत्री, इन्दौर
भरतेश-पूर्णिमा जैन
5वीं - ए

आयुशी, ललितपुर
शैलेश जैन
5वीं - ए

मुस्कान, मंजबासौदा
विनोद-संध्या जैन
5वीं - ए

अनुष्का, खरगोन
अनुराग-कीर्ति जैन
6टी - ए1

प्रेरणा -

मेघावी विद्यार्थियों के सहयोग को संकल्पित संस्था के संचालक इंजी. अरुण कुमार जैन द्वारा समाज के होनहार विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हेतु छात्रवृत्ति प्रदान की जाती है। जिसके फार्म गोलालारीय दर्शन की वेबसाईट से डाउनलोड किए जा सकते है। अधिक जानकारी हेतु आज संस्था संचालक से संपर्क कर सकते है।
8/21, एल.पी. भार्गव नगर, उज्जैन - 456 010, मो.: 9406648157, 9752447551

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ....

हर्ष, विदिशा
सुधीर-साधना जैन
6टी - ए1

प्रांशू, गंजबासौदा
जितेन्द्र-सुषमा जैन
6टी - ए+

भूमि, विदिशा
राकेश-मोहिनी जैन
6टी - ए2

सम्यक, इन्दौर
सुधीर-नीतू जैन
6टी - ए2

अतिशय, इन्दौर
नीरज-अनु जैन
6टी - 88%

सृष्टि, इन्दौर
संदीप-संतोष जैन
6टी - बी1

हर्ष, इन्दौर
हेमंत-संगीता जैन
6टी - बी1

गहना, छतरपुर
रविन्द्र-अर्चना जैन
7वी - ए+

सुहानी, अहमदाबाद
सुदर्शन जैन
7वी - 93%

संस्कार, इन्दौर
रजनीश-अनुपमा जैन
7वीं - ए1

प्रायुल, ललितपुर
सुमन-कस्तूरचंद जैन
7वीं - ए

शाश्वत, ललितपुर
सुरेन्द्र-समता जैन
7वीं - ए

अर्चित, ललितपुर
शैलेष जैन
7 वी - 86%

लय, विदिशा
अनिल-भावना जैन
7वीं - ए1

प्रेक्षा, विदिशा
स्वराज-सुनीता जैन
7वीं - ए1

श्रुति, गंजबासौदा
सुनील-विनिता जैन
7वीं - ए1

आरुषी, विदिशा
विक्रम-शशि जैन
7वीं - ए2

अर्पिता, इन्दौर
पवन-कल्पना जैन
7वीं - ए2

अनीशा, इन्दौर
सुशील-सुशीला जैन
7 वी - सीजीपीए 8.57

संचिता, इन्दौर
सुधीर-नीतू जैन
7 वी - बी1

अन्विता, इन्दौर
राजेश-संगीता जैन
7वीं - बी1

श्रेयांस, सोनकच्छ
संजय-संध्या जैन
8वी - सीजीपीए 9.67

मंथन, अहमदाबाद
चंद्रेश जैन
8वी - 95.5%

केशु, गंजबासौदा
विकास-उर्मिला जैन
8वीं - ए

श्रुति, विदिशा
आदर्श-मीना जैन
8वीं - ए

प्रियम, गंजबासौदा
मनोज-मोहिनी जैन
8वी - ए2

प्रांजल, गंजबासौदा
राकेश-संगीता जैन
8वीं - ए2

सौम्या, विदिशा
विवेक-सुधा जैन
8वीं - बी1

सान्या, गंजबासौदा
राजीव-रितु जैन
8वीं - बी

सौमिल, गंजबासौदा
मनोज-अर्चना जैन
8वीं - बी

काजल, इन्दौर
अजय-अनुपमा जैन
9 वी - 92.17%

आदिश, अहमदाबाद
अरविंद-रानोबेन जैन
9 वी - ए2

रिशिका, विदिशा
के.के.-उषा पंचरतन
9वी - ए2

स्तुती, इन्दौर
दिनेश-प्रीति जैन
9वी - ए2

अनिमेष, इन्दौर
अरविंद-प्रतिभा जैन
9वी - सीजीपीए 8

शिविका, ग्वालियर
जिनेश-सुषमा जैन
9वी - सीजीपीए 8

रोहित, इन्दौर
अनिल-साधना जैन
9वी - सीजीपीए 7.4

आशिका, इन्दौर
दीपक-कल्पना जैन
9वी - 67%

आयुष, विदिशा
सुधीर-साधना जैन
9वी - बी1

अपूर्वा, छतरपुर
पुष्पेन्द्र-कल्पना जैन
9वी - 70.7%

अनिमेष, मंडला
अनिल-अर्चना जैन
10वी - सीजीपीए 10
सीबीएसई

अनुप्रेक्षा, विदिशा
देवेन्द्र-मीना जैन
10वी - सीजीपीए 10
सीबीएसई

श्रेय, अनूपपुर
स्वतंत्र-अंजना जैन
10वी - सीजीपीए 10
सीबीएसई

सृजन, विदिशा
राजेश-नीता जैन
10वी - सीजीपीए 10
सीबीएसई

शुचि, -
राजेश-अनुपमा जैन
10वी - सीजीपीए 9.8
सीबीएसई

रितिका, विदिशा
बोटेश-विनीता जैन
10वी - सीजीपीए 9.4
सीबीएसई

निष्कर्ष, कानपुर
अनूप-प्रीति जैन
10वी - सीजीपीए 9.2
सीबीएसई

सविनय, कानपुर
संजय-विनीता जैन
10वी - 89.93%
आईएससीई

शुभ्रा, इन्दौर
नीरज-आनंद जैन
10वी - सीजीपीए 8.8
सीबीएसई

नर्सरी एवं कम प्रतिशत व अपूर्ण जानकारी वाले फार्म को नियमानुसार स्वीकार नहीं किया गया है, जिसके लिए हमें खेद है।

गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएँ....

याशिका, इन्दौर
राजेश-उमा जैन
10वी - सीजीपीए 8.0
सीबीएसई

संकल्प, इन्दौर
रजनीश-रचना जैन
10वी - 86.33%
आईसीएसई

उमंग, गंजबासौदा
निहालचंद-निर्मला जैन
10वी - 90%
बोर्ड

सुरभि, विदिशा
आदर्श-मीना जैन
10वी - 88.1%
बोर्ड

शैफाली, इन्दौर
शिशुपाल-शशि जैन
10वी - 82.6%
बोर्ड

तानू, -
वरुण-संगीता जैन
10वी - 83.83%
बोर्ड

सुहानी, बाँसी
मुकेश-राखी जैन
10वी - 81.2%
बोर्ड

सुरभि, इन्दौर
पवन-सरोज जैन
10वी - 75.2%
बोर्ड

श्रुति, गंजबासौदा
मनोजकुमार-अर्चना जैन
10वी - 67%
बोर्ड

आयुषी, गंजबासौदा
अनिल-अनीता जैन
11वीं - 89.64%
कामर्स

सेजल, गंजबासौदा
अनिल-मंजुला जैन
11वीं - 81%
गणित

आंचल, विदिशा
श्रेयांस-बीना जैन
11वीं - 68.9%
कामर्स

आकांक्षा, गंजबासौदा
अनिल-ममता जैन
12वीं - 89.4%
सीबीएसई - बायो

शुभम, विदिशा
राजेश-नीता जैन
12वीं - 92%
बोर्ड - गणित

चमन, विदिशा
जमनाप्रसाद-कृष्णा जैन
12वीं - 85.5%
बोर्ड - गणित

अरिहंत, इन्दौर
अरविन्द-निति जैन
12वी - 84.4%
सीबीएसई - गणित

अंकिता, जबलपुर
अरविंद-प्रीति जैन
12वीं - 83.8%
सीबीएसई - गणित

अंकुश, मुरैना
नेमीचंद-अनिता जैन
12वीं - 83.6%
बोर्ड - गणित

अक्षत, कानपुर
अनिल-अल्पना जैन
12वीं - 83.4%
सीबीएसई - गणित

सृष्टि, इन्दौर
रजनीश-रचना जैन
12वीं - 83%
आईएससीई - कामर्स

सुरभि, इन्दौर
अभय-ज्योति जैन
12वी - 82.2%
बोर्ड - गणित

संविता, नागौद
अशोक-सुनीता जैन
12वी - 81.2%
बोर्ड - गणित

नैन्सी, विदिशा
एम.सी.-स्वर्णलता जैन
12वीं - 87.8%
सीबीएसई - कामर्स

श्रुति, विदिशा
राजकुमार-अलका जैन
12वीं - 82.2%
सीबीएसई - कामर्स

शिफा, इन्दौर
शिशुपाल-शिशु जैन
12वी - 74.6%
बोर्ड - गणित

गुंजन, गंजबासौदा
विकास-उर्मिला जैन
12वीं - 77%
बोर्ड - गणित

अमन, विदिशा
अशोक-लता जैन
12वीं - 78.2%
बोर्ड - कामर्स

आदर्श, भोपाल
स्व.आनंदप्रकाश-संध्या जैन
12वीं - 72.6%
सीबीएसई - कामर्स

यशस्व, जबलपुर
अभय-निर्मला जैन
12वी - 95.6%
सीबीएसई- गणित

ऋतिक, मऊरानीपुर
राजकुमार-सरोज जैन
12वी - 91.8%
सीबीएसई- गणित

मेघा, इन्दौर
भरतेश-पूर्णिमा जैन
12वी - 85.5%
सीबीएसई - कार्मस

पलक, ललितपुर
5 वी -
78%

लक्ष्य, विदिशा
आनंद-सुमन जैन
2 री - ए+

महक, इन्दौर
मनीष-मीना जैन
8वी - बी

कृतिन, इन्दौर
मनीष-मीना जैन
3री - ए++

प्रदीप, इन्दौर
वीणाकुमार जैन
एमबीए मार्केटिंग-68.5%

दिव्या, इन्दौर
दीपक जैन
बी.कॉम-75.6%

आयुषी, छतरपुर
अनिल-रेखा जैन
बी.कॉम - 77.4%

आकांक्षा, गंजबासौदा
विवेक-मीना जैन
बी.एस.सी - 77.3%

मेघा, गंजबासौदा
मुकेश-मंजू जैन
बी.एस.सी- 75%

नेहल, गंजबासौदा
अनिल जैन
बी.ई. (सी.एस)-83%

प्रशांत, इन्दौर
नरेन्द्रकुमार-पद्मा जैन
बी.कॉम - 64.9%

बधाईयाँ -

कु. नित्यता सुपुत्री नितिन-निधी जैन, इन्दौर ने राज्य चयन शतरंज प्रतियोगिता के अंडर 9 एवं अंडर 11 वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर दोहरी सफलता अर्जित की है। आगामी राज्य स्पर्धाओं में वे मध्यप्रदेश का प्रतिनिधित्व करेंगी। आगामी राष्ट्रीय शतरंज स्पर्धाएँ जो हाल ही में चेन्नई एवं दिल्ली में आयोजित होने वाली है उसमें उन्हें अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। गोलालारीय दर्शन परिवार की ओर से हम उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते है व आशा करते है कि वे राष्ट्रीय स्तर पर सफल होकर अपने परिवार व समाज को गौरवांवित करेंगी।

बायोडॉटा प्रारूप का विवरण

प्रत्याशी का नवीन फोटो

1. क्रमांक
2. प्रत्याशी का पूरा नाम
3. स्वयं / माता का गोत्र
4. जन्म दिनांक
5. जन्म समय
6. जन्म स्थान
7. शिक्षा
8. कद / वजन
9. वर्ण
10. व्यवसाय
11. वार्षिक आय
12. कुंडली मिलान
13. मंगली
14. पत्र व्यवहार का पता
15. फोन / मोबाईल नं
16. प्रत्याशी का ईमेल

---

1. 01
2. शुभांगी दिलीपकुमार जैन
3. पवैया/चंदार
4. 06.09.88
5. 21.14
6. विदिशा
7. एम.बी.ए., पी.जी.डी.सी.ए
8. 5'3''
9. गोरा
10. –
11. –
12. हाँ
13. आंशिक मंगल
14. इंदिरा मार्केट के पास, बाजार चौक डिण्डोरी – 481880
15. 9425360950, 8959706944
16. jainshubhangi04@gmail.com

---

1. 02
2. प्रियांशु पवनकुमार जैन
3. पंचरत्न/फणीश
4. 26.07.88
5. 00.30
6. झांसी
7. बी.सी.ए.
8. 5'3''
9. गोरा
10. जेएसडब्ल्यू लि. (अडानी ग्रुप)
11. 4.80 लाख
12. हाँ
13. –
14. ग्राम टेहरका, जिला टीकमगढ़-472447
15. 09303444567 09601197975
16. –

---

1. 03
2. विशाल विनोदकुमार जैन
3. फणीश/पवैया
4. 12.07.84
5. 06.00
6. गंजबासौदा
7. एम.सी.ए.
8. 5'7''
9. गेहुँआ
10. सर्विस-एचडीएफसी बैंक
11. 3.00 लाख
12. हाँ
13. –
14. जैन चैत्यालय के पास, गांधी चौक गंजबासौदा, जिला विदिशा
15. 9406952259
16. –

---

1. 04
2. अंकित दिनेश कुमार जैन
3. फणीश/लांगुर
4. 11.03.88
5. 23.11
6. खरगोन
7. बी.ई. (सी.एस.)
8. 5'8''/58 कि.
9. गोरा
10. सर्विस
11. 3.00 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. विष्णुपुरी कालोनी, खरगोन
15. 07282-234222, 9827254111
16. sudhesh_bjain@yahoo.co.in

---

1. 05
2. अंशुल अरुणकुमार पंचरत्न
3. पंचरत्न/फणीश
4. 01.07.86
5. 16.55
6. खुरई
7. एम.एस.सी (केमिस्ट्री)
8. 5'9''
9. गेहुँआ
10. सर्विस
11. 3.00 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. नेहरु वार्ड, खुरई जिला सागर (म.प्र.)
15. 07581241111, 9425347072
16. apjain1986@gmail.com

---

1. 06
2. अमित अरुणकुमार पंचरत्न
3. पंचरत्न/फणीश
4. 06.05.85
5. 01.00
6. खुरई
7. एम.बी.ए.
8. 5'7''
9. गौर
10. सेंट्रल बैंक आफ इंडिया
11. 3.00 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. नेहरु वार्ड, खुरई, जिला सागर
15. 07581-241111, 9425347072
16. ami5ratan@gmail.com

---

1. 07
2. कृतिका जिनेशकुमार जैन
3. फणीश/चंदार
4. 22.09.90
5. 4.38
6. इन्दौर
7. बी.ई (आई.टी.)
8. 5'3''
9. गोरा
10. सर्विस
11. 1.20 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. 508, गुमास्ता नगर, इन्दौर
15. 0731-2786003 9826200792
16. sudhesh_bjain@yahoo.co.in

---

1. 08
2. निकिता चन्द्रेश मानोरिया
3. मानोरिया/बिलौआ
4. 26.10.87
5. –
6. अशोक नगर
7. बी.ई, इलेक्ट्रानिक्स
8. 5'
9. गोरा
10. –
11. –
12. –
13. –
14. पुराना बाजार, पिपरई जिला अशोक नगर – 473440
15. 08871620072

---

1. 09
2. अंकित जिनेन्द्रकुमार जैन
3. वैद्य/चन्द्रार
4. 21.09.81
5. –
6. इन्दौर
7. आयुर्वेदिक कम्पाउण्डर
8. 5'6''
9. गोरा
10. नौकरी
11. 0.85 हजार
12. –
13. नहीं
14. 25, एलआईजी हाउसिंग बोर्ड कालोनी जयप्रकाश नगर, सनसिटी-2 के पास, देवास
15. 07272-258413, 9630287941
16. –

---

1. 10
2. डॉ. आशीष व्ही.के. जैन
3. बिलौआ/पटवारी
4. 16.12.86
5. 20.40
6. भोंती (शिवपुरी)
7. बी.डी.एस. डेंटल सर्जन
8. 5'5''
9. गोरा
10. सर्विस – डेंटल पोलीक्लिनिक
11. –
12. हाँ
13. –
14. 391, कृष्णापुरम कालोनी, महल के पीछे, शिवपुरी (म.प्र.)
15. 07492-222081, 9425721001

---

1. 11
2. आकांक्षा नवीन पंचरत्न
3. पंचरत्न/सिंघई
4. 06.10.88
5. 12.36
6. इन्दौर
7. बी.कॉम पीजीडीसीए
8. 5'4''
9. गोरा
10. –
11. –
12. हाँ
13. –
14. 40, हुकुमचंद मार्ग, मोती महल कांच मंदिर के पास, इन्दौर
15. 0731-2542113 9827711077

---

1. 12
2. अमितेष महेन्द्रकुमार जैन
3. परधान/पंचरत्न
4. 10.05.85
5. 12.15
6. झांसी
7. बी.कॉम., एम.सी.ए
8. 5'8''
9. साफ
10. सर्विस- गुड़गांव
11. –
12. हाँ
13. –
14. माधव नगर, बाईपास रोड, फतेहपुर के पास शिवपुरी (म.प्र.)
15. 9406960940, 9406506265

---

1. 13
2. मेहा चन्द्रप्रकाश जैन
3. फणीश/जगौरिया
4. 07.04.88
5. 23.15
6. हरदा
7. एमबीए (एम.एम.)
8. 5'2'' / 48 कि.ग्रा
9. गोरा
10. शैक्षणिक कार्य
11. 1.44 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. 305, लक्ष्मी सदन, ओल्ड के.के. आइल मिल परिसर, रेलवे स्टेशन रोड, हरदा – 461331
15. 09926638076

---

1. 14
2. नीलेश चन्द्रप्रकाश जैन
3. फणीश/जगौरिया
4. 29.07.86
5. 01.15
6. हरदा
7. बी.ई. इलेक्ट्रानिक्स
8. 5'8'' / 70 कि.ग्रा
9. गोरा
10. सर्विस – जीटी, चैन्नई
11. 4.80 लाख
12. हाँ
13. हाँ
14. 305, लक्ष्मी सदन, ओल्ड के.के. आइल मिल परिसर, रेलवे स्टेशन रोड, हरदा – 461331
15. 09926638076

---

1. 15
2. अभिषेक अनिलकुमार जैन
3. बिलौआ/लांगुर
4. 30.04.83
5. 21.15
6. जबलपुर
7. बी.ई. (सी.एस.), एम.एस.
8. 5'7''
9. गेहुँआ
10. सर्विस – सायबेज सापटवेयर
11. 12 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. अनिल एम्पोरियम, नार्मल स्कूल रोड, गंजीपुरा, जबलपुर
15. 09893735445, 9479757921
16. cmjain2002@gmail.com

---

1. 16
2. अपूर्वा स्व. आनंदप्रकाश जैन
3. फणीश/वैद्य
4. 31.10.90
5. 15.45
6. बाकल, जबलपुर
7. बी.ई. (आई.टी.), एम.टेक
8. 5'
9. गोरा
10. –
11. –
12. –
13. –
14. जी-2, इंदिरागांधी हास्पिटल केम्पस सेंट्रल लायब्रेरी के पास, भोपाल
15. 09752238599

---

1. 17
2. शैलेन्द्र सुरेन्द्रकुमार जैन
3. सेठ/पवैया
4. 15.07.84
5. –
6. देवेन्द्र नगर
7. बी.ए.
8. 5'4''
9. गोरा
10. किराना स्टोर्स
11. –
12. –
13. –
14. सौरभ किराना स्टोर्स, सलैहा रोड देवेन्द्र नगर, जिला पन्ना
15. 9981203933, 9630953093

---

1. 18
2. रेलिस राजेन्द्र शाह
3. पटवारी/फणीश
4. 10.11.86
5. 6.30
6. अहमदाबाद
7. एम.एस. (बायो टेक्नोलॉजी)
8. 5'5''/70 कि.
9. गोरा
10. सर्विस – रिसर्च टेक्नी. अमेरिका
11. 24.00 लाख
12. –
13. –
14. 8, अमर ज्योत बंगलोज, अंबिका नगर के पास, ओठव, अहमदाबाद (गुजरात)
15. 079-22877924 92282 32155

---

1. 19
2. सौरभ नरेन्द्रकुमार जैन
3. वैद्य/पंचरत्न
4. 28.4.86
5. 15.57
6. डिण्डोरी
7. बी.ई(आई.टी.), एम.बी.ए (एच.के.)
8. 5'5'' / 60 कि.
9. गेहुँआ
10. सर्विस-शासकीय
11. 3.00 लाख
12. हाँ
13. आंशिक मंगल
14. 28, सिद्धार्थ नगर, जैन कालोनी के पास माला गार्डन के पीछे, केशरबाग रोड़, इंदौर
15. 0731-2761897 9425071374, 9425052726

---

1. 20
2. नीलम अजितकुमार जैन
3. वैद्य/पटवारी
4. 3.3.88
5. 14.16
6. इन्दौर
7. एम.कॉम, सी.एस.
8. 5'2''/48 कि.
9. गोरा
10. सर्विस
11. 2.00 लाख
12. हाँ
13. आंशिक मंगल
14. 257, डी.के.ए.एन., स्कीम नं. 74 विजय नगर, इन्दौर
15. 0731-2575518 9893768169

पक्षी बचाओं अभियान आरंभ

इन्दौर, अनुपमा जैन। गोलालारीय महिला मंडल की ग्रीष्मकालीन मासिक सभा 64, न्यू देवास रोड स्थित 1008 श्री शांतिनाथ मंदिर के हाल में संपन्न हुयी। नियमित मंगलाचरण और अन्य गतिविधियों के साथ ही विजय नगर शाखा की महिलाओं ने 'पक्षी बचाओं' अभियान में भाग लिया। मंडल की अध्यक्षा श्रीमती किरण जैन 'फणीश' ने महिलाओं को जीवदया और अहिंसा धर्म के पालन हेतु प्रेरित किया और पंक्षियों की रक्षा का संकल्प दिलाया तत्पश्चात श्रीमती अनुपमा जैन व कल्पना जैन 'बागो' ने सभी महिलाओं को जलपात्र एवं अनाज के दाने वितरित किये और आग्रह किया कि सभी महिलायें उन्हें अपने घर की छत, आँगन या मुँडेर पर प्रतिदिन अवश्य रखें ताकि भीषण ग्रीष्म में पक्षियों को भोजन और पानी की तलाश में भटकना न पड़े। इस अभियान में श्रीमती कल्पना अजित जैन, कल्पना दीपक जैन, सुमन जैन, आरती जैन व शिखा जैन आदि ने अपना सक्रिय योगदान दिया।

पितृ देवो भव, मातृ देवो भव

जब भी इनकी याद आती है, दुनिया की सारी दौलत मिल जाती है....

जिनका स्मरण कल्पवृक्ष की छाया है, जिनका जीवन संस्कार, व्यवहार, आचरण का आधार है

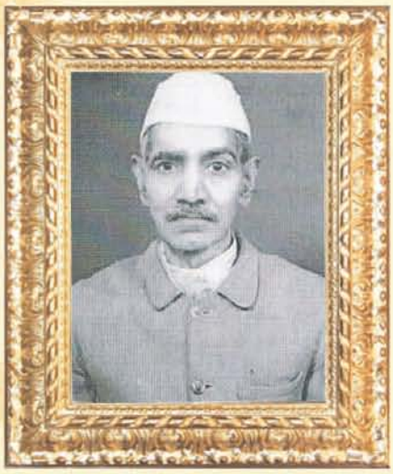

पं. दामोदरदास जैन
सुपुत्र : श्री गुंचेलालजी बुढवार
(1904-24 जून 84)

विदुषी तेजाबाई
सुपुत्री : जौहरी हुकुमचंदजी सागर
पत्नि - पं. दामोदरदास जैन
(1908-14 जून 96)

सहायक सम्पादक	जैन मित्र (1921-26)
संस्थापक सदस्य	अखिल भारतवर्षीय दिगम्बर जैन विद्वत परिषद
शिक्षा मंत्री	श्री दि. जैन संस्कृत महाविद्यालय, सागर
संस्थापक मंत्री	श्री दि. जैन शान्ति निकुन्ज उदासीन आश्रम, सागर
व्यक्तित्व	अध्येता, अनुवादक, लेखक, विचारक, व्यवसायी

॥ श्रद्धावनत् ॥

सुश्री शशिप्रभा, ललितपुर, सौ. चंदाबाई-प्रतापचंद, महरौनी, सुश्री कुसुम जैन, मण्डी बामौरा
डॉ. पी.सी. जैन, सेवानिवृत्त प्रोफेसर, शासकीय महाविद्यालय सागर - सौ. कुसुम जैन
सम्प्रति - मंत्री, श्री दिगम्बर जैन शान्ति निकुन्ज उदासीन आश्रम ट्रस्ट, सागर
पूर्व वरिष्ठ उपाध्यक्ष - जैन पंचायत, सागर
सौ. प्रीति जैन, संजीव जैन (वरिष्ठ सलाहकार, TCS लन्दन) उज्जवल जैन
डॉ. अमित जैन (वैज्ञानिक, अमेरिका) सौ. स्वाति जैन, सलौजी जैन
अतुल जैन (वरिष्ठ अभियंता, वैमानिकी) सौ. रूचि जैन (सहायक प्राध्यापक), अर्णव जैन

डॉ. पी.सी. जैन, 91 चकराघाट, सागर (म.प्र.) 470002 * फोन : 07582-227066, मोबाइल : 9826249699

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित